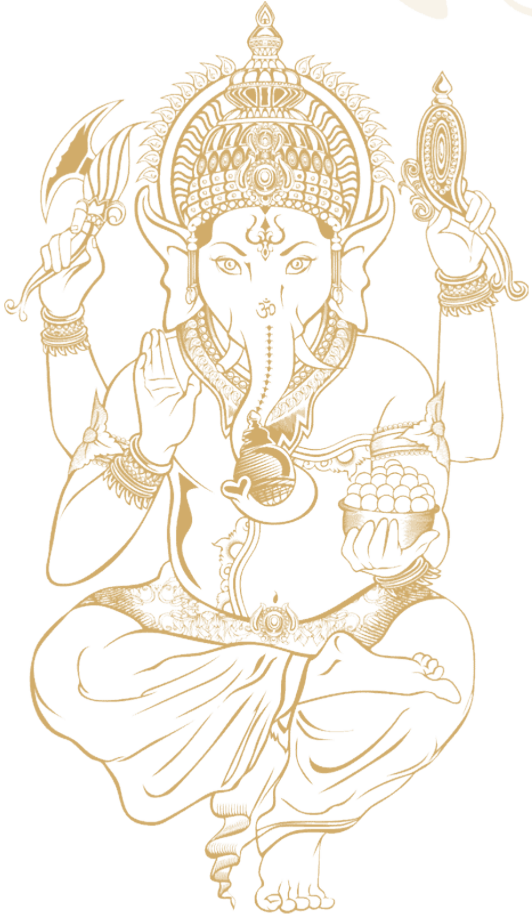

Mr.sameer

06 Feb 2004

09:40 PM

Muzaffarnagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120855002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/02/2004**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**21:40:00 घंटे**
इष्ट	36:24:12 घटी
स्थान	**Muzaffarnagar**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:28:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:20:48 घंटे
वेलान्तर	-00:14:03 घंटे
साम्पातिक काल	06:25:23 घंटे
सूर्योदय	07:06:19 घंटे
सूर्यास्त	18:00:30 घंटे
दिनमान	10:54:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:17:39 मकर
लग्न के अंश	11:38:26 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सौभाग्य
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डोभाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:38:26	315:47:06	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			मक	23:17:39	01:00:47	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	26:56:49	12:55:12	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल			मेष	08:09:25	00:38:10	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
बुध			मक	05:19:42	01:29:47	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		सिंह	23:14:09	00:05:56	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	03:42:46	01:11:08	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	13:11:33	00:03:09	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	21:42:28	00:13:52	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	21:42:28	00:13:52	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	07:59:33	00:03:22	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	19:07:07	00:02:17	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:44:03	00:01:29	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	11:54:43	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:41

लग्न-चलित

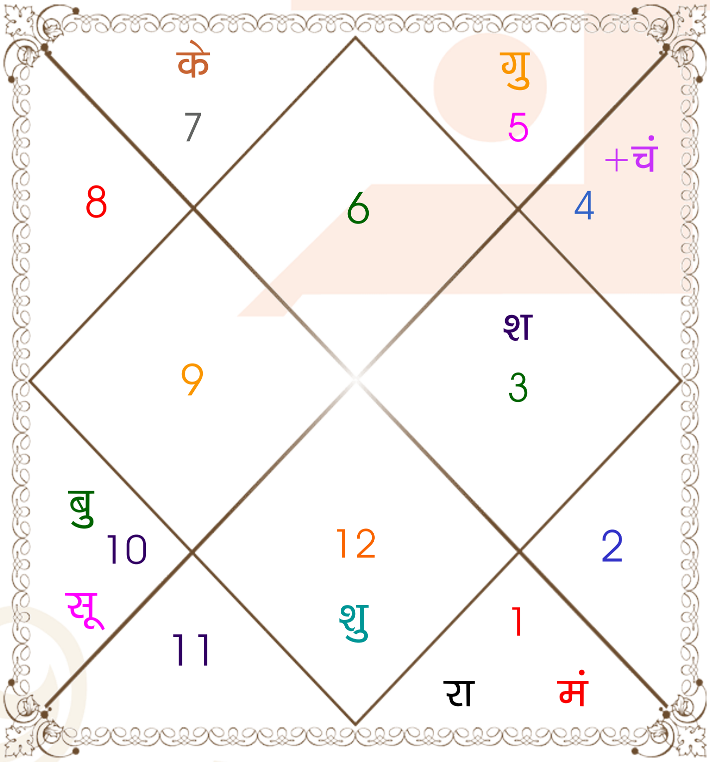

चन्द्र कुंडली

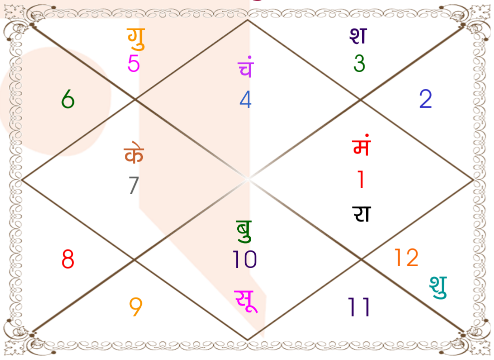

नवमांश कुंडली

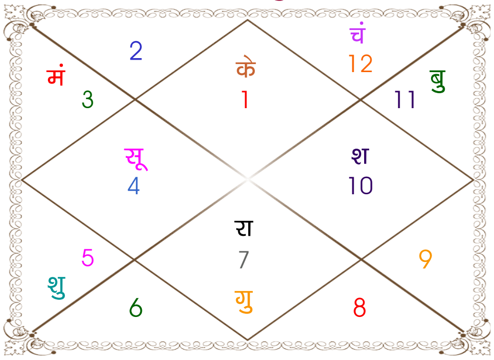

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 3 वर्ष 10 मास 21 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/02/2004		29/12/2007		29/12/2014		29/12/2034		28/12/2040	
29/12/2007		29/12/2014		29/12/2034		28/12/2040		29/12/2050	
	00/00/0000	केतु	26/05/2008	शुक्र	29/04/2018	सूर्य	18/04/2035	चंद्र	29/10/2041
	00/00/0000	शुक्र	27/07/2009	सूर्य	30/04/2019	चंद्र	17/10/2035	मंगल	30/05/2042
	00/00/0000	सूर्य	01/12/2009	चंद्र	28/12/2020	मंगल	22/02/2036	राहु	29/11/2043
	00/00/0000	चंद्र	02/07/2010	मंगल	28/02/2022	राहु	16/01/2037	गुरु	30/03/2045
	00/00/0000	मंगल	29/11/2010	राहु	27/02/2025	गुरु	04/11/2037	शनि	29/10/2046
	00/00/0000	राहु	17/12/2011	गुरु	29/10/2027	शनि	17/10/2038	बुध	30/03/2048
	06/02/2004	गुरु	22/11/2012	शनि	29/12/2030	बुध	23/08/2039	केतु	29/10/2048
गुरु	20/04/2005	शनि	01/01/2014	बुध	29/10/2033	केतु	29/12/2039	शुक्र	29/06/2050
शनि	29/12/2007	बुध	29/12/2014	केतु	29/12/2034	शुक्र	28/12/2040	सूर्य	29/12/2050

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
29/12/2050		29/12/2057		29/12/2075		29/12/2091		30/12/2110	
29/12/2057		29/12/2075		29/12/2091		30/12/2110		00/00/0000	
मंगल	27/05/2051	राहु	10/09/2060	गुरु	15/02/2078	शनि	01/01/2095	बुध	28/05/2113
राहु	14/06/2052	गुरु	04/02/2063	शनि	29/08/2080	बुध	10/09/2097	केतु	25/05/2114
गुरु	21/05/2053	शनि	10/12/2065	बुध	05/12/2082	केतु	20/10/2098	शुक्र	25/03/2117
शनि	29/06/2054	बुध	29/06/2068	केतु	11/11/2083	शुक्र	21/12/2101	सूर्य	29/01/2118
बुध	27/06/2055	केतु	17/07/2069	शुक्र	12/07/2086	सूर्य	03/12/2102	चंद्र	01/07/2119
केतु	23/11/2055	शुक्र	17/07/2072	सूर्य	30/04/2087	चंद्र	03/07/2104	मंगल	27/06/2120
शुक्र	22/01/2057	सूर्य	11/06/2073	चंद्र	29/08/2088	मंगल	12/08/2105	राहु	14/01/2123
सूर्य	30/05/2057	चंद्र	11/12/2074	मंगल	05/08/2089	राहु	18/06/2108	गुरु	07/02/2124
चंद्र	29/12/2057	मंगल	29/12/2075	राहु	29/12/2091	गुरु	30/12/2110		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 3 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्मी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।